901

801 (AF)

2019

हिन्दी

केवल प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 70*

निर्देश : *प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।*

downloaded from StudentSuvidha.com

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई *एक* कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए । *1*

(i) जैनेन्द्र कुमार एक कवि के रूप में अधिक प्रसिद्ध हैं ।

(ii) 'ममता' के लेखक रामधारी सिंह 'दिनकर' हैं ।

(iii) जयप्रकाश भारती शुक्लयुग के कवि हैं ।

(iv) 'प्रबन्ध-पारिजात' के लेखक पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी हैं ।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी *एक* कृति के लेखक का नाम बताइए : *1*

(i) 'इन्द्र-जाल'

(ii) 'सेवा-सदन'

(iii) 'दीप-दान'

(iv) 'मिट्टी की ओर'

(ग) किसी एक जीवनी-लेखक का नाम लिखिए । *1*

(घ) 'मैं इनसे मिला' किस विधा की रचना है ? *1*

(ङ) संस्मरण-विधा के किसी एक लेखक का नाम लिखिए । *1*

(क) रीतिबद्ध शाखा के किसी एक कवि का नाम लिखिए तथा उसकी एक रचना का नामोल्लेख कीजिए । *1+1=2*

(ख) प्रयोगवादी काव्य-धारा की दो विशेषताएँ बताइए । *2*

(ग) निम्नलिखित में से किसी *एक* काव्य-ग्रन्थ के कवि का नाम बताइए : *1*

(i) 'एक पतंग अनन्त में'

(ii) 'पंचवटी'

(iii) 'समर्पण'

(iv) 'अनामिका'

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

3. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी *एक* गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6

(क) हमारी सारी संस्कृति का मूलाधार इसी अहिंसा तत्त्व पर स्थापित रहा है । जहाँ-जहाँ हमारे नैतिक सिद्धान्तों का वर्णन आया है, अहिंसा को ही उसमें मुख्य स्थान दिया गया है । अहिंसा का दूसरा नाम या रूप त्याग है और हिंसा का दूसरा रूप या नाम स्वार्थ है, जो प्रायः भोग के रूप में हमारे सामने आता है । पर हमारी सभ्यता ने तो भोग भी त्याग ही से निकाला है और भोग भी त्याग में ही पाया है । श्रुति कहती है 'तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः' । इसी के द्वारा हम व्यक्ति-व्यक्ति के बीच का विरोध, व्यक्ति और समाज के बीच का विरोध, समाज और समाज के बीच का विरोध, देश और देश के बीच का विरोध मिटाना चाहते हैं । हमारी सारी नैतिक चेतना इसी तत्त्व से ओत-प्रोत है ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) पारस्परिक विरोध को कैसे मिटाया जा सकता है ?

(ख) मित्र सच्चे पथ-प्रदर्शक के समान होना चाहिए, जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकें, भाई के समान होना चाहिए, जिसे हम अपना प्रीति-पात्र बना सकें । हमारे और हमारे मित्र के बीच सच्ची सहानुभूति होनी चाहिए – ऐसी सहानुभूति, जिससे एक के हानि-लाभ को दूसरा अपना हानि-लाभ समझे । मित्रता के लिए यह आवश्यक नहीं है कि दो मित्र एक ही प्रकार के कार्य करते हों या एक ही रुचि के हों । इसी प्रकार प्रकृति और आचरण की समानता भी आवश्यक या वांछनीय नहीं है । दो भिन्न प्रकृति के मनुष्यों में बराबर प्रीति और मित्रता रही है ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) सच्चा मित्र कैसा होना चाहिए ?

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए तथा उसका काव्य-सौन्दर्य भी स्पष्ट कीजिए : *1+4+1=6*

(क) गुरु पद बंदि सहित अनुरागा ।
राम मुनिन्ह सन आयसु माँगा ।।
सहजहिं चले सकल जग स्वामी ।
मत्त मंजु बर कुंजर गामी ।।
चलत राम सब पुर नर नारी ।
पुलक पूरि तन भए सुखारी ।।
बंदि पितर सुर सुकृत सँभारे ।
जौं कछु पुन्य प्रभाउ हमारे ।।
तौ सिवधनु मृनाल की नाईं ।
तोरहुँ राम गनेस गोसाईं ।।

downloaded from StudentSuvidha.com

(ख) नभ में गर्वित झुकता न शीश,
पर अंक लिए है दीन क्षार,
मन गल जाता नत विश्व देख,
तन सह लेता है कुलिश भार,
कितने मृदु कितने कठिन प्राण !

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी किसी **एक** रचना का नाम लिखिए : *2+1=3*

(i) जयशंकर प्रसाद
(ii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
(iii) भगवत शरण उपाध्याय

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी किसी **एक** रचना का नाम लिखिए : *2+1=3*

(i) रामनरेश त्रिपाठी
(ii) सूरदास
(iii) श्यामनारायण पाण्डेय

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *1+3=4*

भारतीया संस्कृतिः तु सर्वेषां मतावलम्बिनां संगमस्थली । काले-काले विविधाः विचाराः भारतीय-संस्कृतौ समाहिताः । एषा संस्कृतिः सामासिकी संस्कृतिः यस्याः विकासे विविधानां जातीनाम्, सम्प्रदायानां, विश्वासानाञ्च योगदानं दृश्यते । अतएव अस्माकं भारतीयानाम् एका संस्कृतिः, एका च राष्ट्रीयता । सर्वेऽपि वयं एकस्याः संस्कृतेः समुपासकाः एकस्य राष्ट्रस्य च राष्ट्रियाः ।

अथवा

बन्धनं मरणं वापि जयो वापि पराजयः ।
उभयत्र समो वीरः वीरभावो हि वीरता ।।

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कंठस्थ किया हुआ एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । *2*

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* के उत्तर संस्कृत में दीजिए : *1+1=2*

(i) कविः चातकं किं शिक्षयति ?
(ii) अमुखोऽपि कः स्फुटवक्ता भवति ?
(iii) प्रति कशाघात-पश्चात् चन्द्रशेखरः किम् अकथयत् ?
(iv) श्रीः केन वर्धते ?

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

8. निम्नलिखित में प्रयुक्त रस को पहचान कर लिखिए : 2

(क) मुनिहि मोह मन हाथ पराएँ ।
हँसहिं संभु गन अति सचु पाएँ ।।
जदपि सुनहिं मुनि अटपटि बानी ।
समुझि न परइ बुद्धि भ्रम सानी ।।

अथवा

करुण रस की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए ।

(ख) निम्नलिखित में प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए : 2

लता भवन तें प्रगट भे, तेहिं अवसर दोउ भाइ ।
निकसे जनु जुग बिमल बिधु, जलद पटल बिलगाइ ।।

अथवा

उपमा अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए ।

(ग) सोरठा **अथवा** रोला छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए । 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं *तीन* के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : *1+1+1=3*

(i) अ
(ii) सु
(iii) सह
(iv) अप
(v) अभि

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : *1+1=2*

(i) त्व
(ii) पन
(iii) वट
(iv) ता
(v) आई

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : *1+1=2*

(i) नीलमणि
(ii) बारहमासा
(iii) आना-जाना
(iv) चक्रपाणि

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* के तत्सम रूप लिखिए : *1+1=2*

(i) दही
(ii) पुरुसारथ
(iii) कीरति
(iv) गुनी

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : *1+1=2*

(i) तालाब
(ii) गाय
(iii) सर्प
(iv) आकाश

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए : *1+1=2*

(i) कवि + आदि

(ii) एक + एकम्

(iii) महा + ओघ:

(iv) इति + उक्तम्

(ख) निम्नलिखित शब्दों के चतुर्थी विभक्ति, द्विवचन के रूप लिखिए : *1+1=2*

(i) मधु **अथवा** नदी

(ii) तद् (स्त्रीलिंग) **अथवा** युष्मद्

(ग) निम्नलिखित में से किसी *एक* की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए : *2*

(i) पश्यथ:

(ii) अपचतम्

(iii) हसे:

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* वाक्यों के संस्कृत में अनुवाद कीजिए : *2*

(i) हमें अपने देश से प्रेम करना चाहिए ।

(ii) वह घर कब जायेगा ?

(iii) अधिकार के साथ कर्तव्य भी जुड़ा है ।

(iv) भारत एक महान देश है ।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी *एक* विषय पर निबन्ध रचना कीजिए : *6*

(i) किसी देखे हुए मेले का वर्णन

(ii) देश-प्रेम

(iii) बेरोज़गारी और उसे दूर करने के उपाय

(iv) सड़क-दुर्घटना – कारण और निवारण

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी *एक* प्रश्न का उत्तर दीजिए : *3*

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य की कौन-सी घटना आपको सर्वाधिक प्रभावित करती है ? संक्षेप में लिखिए ।

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का कथासार संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर जवाहर लाल नेहरू की चारित्रिक विशेषताएँ, संक्षेप में लिखिए ।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के पूर्वाभास सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य [illegible] कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'दौलत' की चारित्रिक विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए ।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की जो घटना आपको सबसे अधिक प्रभावित करती है, उसे संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथा सार संक्षेप में लिखिए ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य की किस घटना से आप विशेष-प्रभावित होते हैं ? संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्रांकन कीजिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के 'द्यूत सभा में द्रौपदी' सर्ग का सारांश लिखिए ।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के राजभवन सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'भरत' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'हनुमान' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के 'रामविलाप और सौमित्रि का उपचार' सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com